भविष्य का निर्माण

प्रथम चरण का विकास

सरदार वल्लभभाई पटेल को मूर्तिमंत करती १८२ मीटर ऊंची प्रतिमा के साथ समग्र परियोजना स्थल २०००० वर्ग मीटर में फैला हुआ है, जो १२ किलोमीटर में फैली मानव निर्मित विशाल झील से घिरा रहेगा।

मूर्ति में और आसपास यह सब साकार होगा...

भारतीय स्वातंत्र्य संग्राम, भारत के एकीकरण और सरदार के योगदान को जीवंत करती विश्वस्तरीय प्रदर्शनी

स्मारक उद्यान

साधु द्वीप को मुख्य भूमि के साथ जोड़ता सेतु

स्मारक एवं मुलाकाती केन्द्र

प्रतिमा और केवड़िया के बीच बेहतर सड़क

पार्किंग और परिवहन साइट

होटेल और कन्वेंशन सेंटर

अन्य से ऊंचा, अत्यंत ऊंचा

न्यु योर्क स्थित स्टेच्यु ओफ लिबर्टी से दोगुनी ऊंचाई

रियो डी जानेरो स्थित द स्टेच्यु ओफ क्राइस्ट, द रीडीमर से पांच गुनी ऊंचाई

सरदार सरोवर बांध से भी डेढ़ गुनी ऊंचाई

स्टेच्यु ओफ युनिटी, गुजरात, भारत, १८२ मीटर्स

स्प्रिंग टेम्पल, बुद्धा, लुशान काउन्टी, हेनन, चीन, १५३ मीटर्स

उशीकु दाइबुत्सु इबाराकी, प्रीफेक्चर, जपान १२० मीटर्स

स्टेच्यु ओफ लिबर्टी, न्यु योर्क, युएसए, ९३ मीटर्स

द मदरलेन्ड कोल्स, वोल्गोग्रेड, रशिया, ८४ मीटर्स

क्राइस्ट द रीडीमर, रियो डी जानेरो, ब्राज़िल ३९.६ मीटर्स

इस प्रतिमा की अनुमानित क्षमता प्रतिदिन लगभग १५,००० मुलाकातीओं की है।

महत्तम मुलाकातीओं को संभालने के लिए एक निश्चित मार्ग पर ओडियो/विइज्युअल प्रदर्शनी आयोजित रहेगी।

ऊपरी अवलोकन स्तर एक बार में २०० लोगों को शामिल कर सकता है।

प्रति दिन ३००० लोग सीढ़ियों द्वारा अवलोकन स्तर तक पहुँच सकते हैं।

मूर्ति की आधारशिला पर मुलाकातीओं के लिए अत्यधिक आकर्षण रहेगा।

इन आँकड़ों से इस प्रतिमा की द स्टेच्यु ओफ लिबर्टी, द वॉशिंग्टन मोन्युमेन्ट, द एफिल टावर और २०१० शंघाई एक्सपो के पेविलियन्स के साथ तुलना हो सकती है।

दूसरे चरण का विकास

दूसरे चरण में, परियोजना स्थल पर इंजीनियरिंग और डिज़ाइनिंग की यह सब गतिविधियाँ होंगी:

भरूच तक नर्मदा के तट का विकास

सड़क और रेल का विकास और पर्यटन के बुनियादी ढांचे

जनजातीय विकास के लिए स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय

शिक्षा अनुसंधान केन्द्र और नॉलेज सिटी

गरुड़ेश्वर से भाडभूत तक पर्यटन कॉरिडोर

स्वच्छ प्रौद्योगिकी अनुसंधान पार्क और कृषि प्रशिक्षण केंद्र

STATUE OF UNITY
एक भारत, श्रेष्ठ भारत.

सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय एक्ता ट्रस्ट

ब्लोक नं. १२, पहली मंज़िल, नया सचिवालय संकुल,
गांधीनगर - ३८२०१०. फोन: +९१-७९-२३२ ५२३३८, ५२३५६
www.statueofunity.in

सरदार वल्लभभाई पटेल

AN ICON OF UNITY

STATUE OF UNITY
एक भारत, श्रेष्ठ भारत.

सरदार वल्लभभाई पटेल

एक महामानव को उच्चतम भावांजलि

एक प्रखर देशभक्त, जो ब्रिटिश राज के अंत के बाद भारत की ५६२ सियासतों को राष्ट्र की मुख्य धारा में एकजुट करने के लिए प्रतिबद्ध थे।

एक कुशल प्रशासक, जिन्होंने नए मुक्त हुए राष्ट्र को स्थिर एवं सुदृढ़ बनाया।

एक अनूठे महामानव, जिन्होंने पथप्रदर्शक बनकर देश को एकता की राह पर दिशा दी एवं पूरे राष्ट्र के लिए शाश्वत प्रतीक बने।

हम स्टेच्यु ओफ युनिटी का सृजन कर रहे हैं क्योंकि हम मानते हैं कि सरदार जैसे महामानव, जिन्होंने भारत संघ की मानवता को मूर्तिमंत किया, उनकी याद भी आनेवाली पीढ़ियों के लिए उतनी ही प्रेरक होनी चाहिए। यह स्टेच्यु सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन, सपने और उपलब्धियों का एक शाश्वत साकार स्वरूप होगा, जो सरदार के स्मरण और प्रेरणा को एक अनोखे अंदाज में जीवंत करेगा।

द स्टेच्यु ओफ युनिटी

भारत का प्रतीक

१८२ मीटर की असाधारण ऊंचाईवाली यह प्रतिमा भारत के लौह पुरुष के लिए एक उपयुक्त श्रद्धांजलि है। यह प्रतिमा गुजरात के नर्मदा जिले में केवड़िया के पास, सरदार सरोवर बांध से लगभग ३.५ किलोमीटर दक्षिण में साधु-बेट द्वीप पर बनाई जा रही है। यह प्रेरणादायक स्मारक स्थल अनेक प्रकार के शिक्षा व मनोरंजन के उपकरणों से संपन्न रहेगा। यह स्थल विंध्याचल और सातपुड़ा श्रृंखला के मध्य में नर्मदा नदी के किनारे पर स्थित है। यह स्थल गरुड़ेश्वर, सरदार सरोवर बांध और केवड़िया नगर के बीच में है। यहाँ का अभिनव नैसर्गिक सौंदर्य इस भव्य स्मारक की शोभा बढ़ाएगा। इसका अनुपम स्थान पर्यावरणीय पर्यटन एवं स्थानिक विकास के लिए भी उपयोगी सिद्ध होगा।

परियोजना एवं अपेक्षित विकास

“इस प्रतिमा की ऊंचाई केवल मीटर और फीट में नहीं, बल्कि शैक्षणिक, ऐतिहासिक, राष्ट्रीय और आध्यात्मिक मूल्यों के संदर्भ में बहुत अधिक होगी।

मेरा स्वप्न आनेवाली सदियों के लिए इस स्थल को एक प्रेरणास्रोत के स्वरूप में विकसित करना है।”

श्री नरेन्द्र मोदी,
माननीय मुख्यमंत्री, गुजरात

इस भव्य संरचना के निर्माण के साथ समग्र परियोजना क्षेत्र में मनोरंजन, शिक्षा और अनुसंधान गतिविधियों के लिए बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध होंगी और उनसे समर्थित कई गतिविधियाँ और पहल सुनिश्चित होंगे।

प्रतिमास्थल जनजातीय बहुमत वाले नर्मदा जिले में है, यह ध्यान में रखते हुए जनजातीय संस्कृति एवं इस प्रदेश के अर्थतंत्र संबंधित मुद्दों को प्रतिमा स्थल और अन्य गतिविधियों में ज्यादा महत्व दिया जाएगा।

साझी भावना साझा उत्थान

“ऐसे व्यक्ति को भारत की सीमाओं के भीतर खुद को सीमित नहीं रखना चाहिए, पूरी दुनिया उनके बारे में और अधिक सुनने की हकदार है।” – विन्स्टन चर्चिल

हम इस महान दूरदर्शी व्यक्ति और भारत राष्ट्र के प्रति उनके अनन्य योगदान को योग्य भावांजलि अर्पण करने का सनिष्ठ प्रयास करेंगे।

लौह संबंध का निर्माण:

समस्त राष्ट्र के किसानों को इस महान कार्य में शामिल करने के लिए एक अभिनव लोहा अभियान चलाया जाएगा। भारत के ६,५०,००० गाँवों में से प्रत्येक गाँव से लोहे का एक कृषि औजार एकत्रित किया जाएगा। इस औजार का प्रतिमा के निर्माण में उपयोग होगा, जिससे यह प्रतिमा भारतभर के किसानों की साझी रचना बनेगी।

उत्तम क्षमता से उन्नत निर्माण

गुजरात सरकार ने माननीय मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में ‘सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय एकता ट्रस्ट (SVPRET)’को द स्टेच्यु ओफ युनिटी के निर्माण की जिम्मेदारी सौंपी है। यह ट्रस्ट शिक्षा, बुनियादी सुविधाएं, जनजातीय कल्याण, स्वास्थ्य और अन्य सामाजिक-आर्थिक हितों के क्षेत्रों में आम जनता के लाभ के लिए सभी अनुसंधान एवं विकास और सामाजिक गतिविधियों के कार्य करेगा।

ट्रस्ट ने ‘द स्टेच्यु ओफ युनिटी’ के लिए डिज़ाइन, इंजीनियरिंग, परियोजना प्रबंधन और निर्माण प्रबंधन सेवाएं प्रदान करने के लिए अग्रिम सदस्य के रूप में टर्नर प्रोजेक्ट मेनेजमेन्ट इन्डिया एवं मेहनहाईर्ट इन्डिया प्राइवेट लिमिटेड तथा माइकल ग्रेव्स एन्ड एसोसिएट्स इन्कोर्पोरेशन के एक संघठन की रचना की है। इस संघठन के कई सदस्य दुनिया की सबसे ऊंची संरचनाओं में से कुछ के निर्माण में शामिल रहे हैं।

सरदार सरोवर नर्मदा निगम लिमिटेड की प्रबंधन टीम और उसके अभियंताओं ने दुनिया के तीसरे सबसे बड़े बांध का निर्माण किया है। इसके साथ उन्होंने एक ऐसी सिंचाई प्रणालि का भी निर्माण किया है, जो दुनिया के शीर्ष पांच सिंचाई नेटवर्क में से एक है। यही अनुभवी एवं कुशल टीम द स्टेच्यु ओफ युनिटी के निर्माण का नेतृत्व करेगी।

गुजरात सरकार के मुख्य सचिव की अध्यक्षता में अन्य वरिष्ठ सचिवों से बनी एक उच्च कार्यकारी समिति परियोजना संबंधित निर्णय एवं विभिन्न कार्यकारी मुद्दों पर काम करेगी।

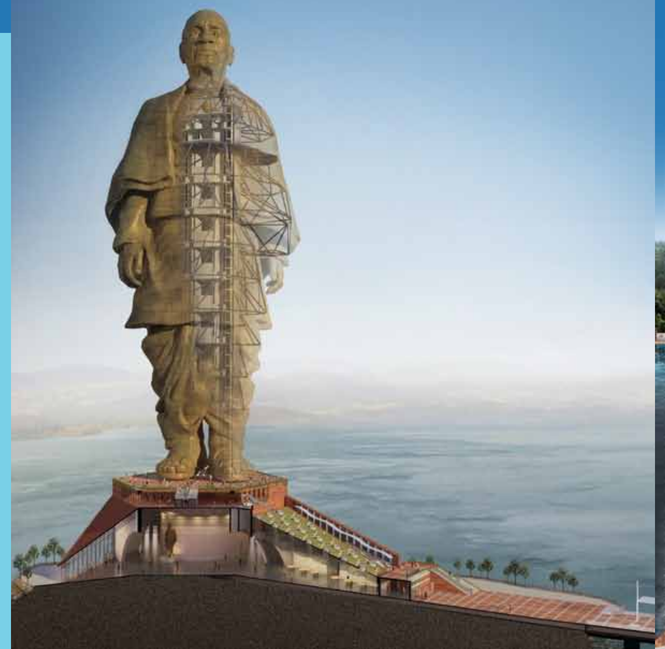

आसमान छूते विचार, बढ़ते कदम सुनहरे भविष्य की ओर

द स्टेच्यु ओफ युनिटी सरदार के प्राकृतिक और ऐतिहासिक स्वरूप को सही रूप में मूर्तिमंत करेगा, जिसमें सरदार उनकी पहचान समान सादगीपूर्ण पोशाक में, चलने की मुद्रा में दिखाई देंगे।

प्रतिमा पर लगा कांस्य आवरण उसे अनन्य शोभा देगा।

मुलाकातीओं को अद्भुत अनुभव देने के लिए दुनिया के सबसे तेज़ एलिवेटर्स।

प्रतिमा के तीन सार्वजनिक स्तर रहेंगे – प्रदर्शन मंज़िल, परछत्ती और छत – यहाँ मुलाकातीओं के आकर्षण के लिए एक स्मारक उद्यान और एक विशाल निरंतर प्रदर्शन हॉल बनेगा, जो सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन और उपलब्धियों पर केन्द्रित रहेगा।

५०० फीट की उंचाई पर स्थित अवलोकन स्तर एक समय पर २०० लोगों को समायोजित कर सकता है। इस स्तर से मुलाकाती मनोरम सातपुड़ा एवं विंध्याचल पर्वतमाला, २५६ किलोमीटर लंबा सरदार सरोवर और ७२ किलोमीटर लंबे गरुड़ेश्वर जलाशय के दर्शन कर सकते हैं।

नाव से लगभग ३ कि.मी. की सवारी से लोग प्रतिमा के प्रवेश स्थल पर आ सकते हैं।

यहाँ की गैलरी से विश्व के सबसे बड़े सिंचाई बांध, नदी और पर्वतमाला और अरब सागर का एक शानदार नज़ारा देखा जा सकता है।

एक अत्याधुनिक अंडरवाटर एक्वेरियम।

एक विशाल आधुनिक केनोपीवाला पब्लिक प्लाज़ा, जो नदी और प्रतिमा के समीप होगा, यहाँ शानदार भोजन रटाल, अलंकृत उपहार की दुकानें, अन्य दुकानें एवं मुलाकातीओं के लिए अन्य सुविधाएं होंगी।

ग्रामीण एवं जनजातीय विकास के नए आयाम

परियोजना स्थल आधुनिक सुविधाओं से विकसित किया जाएगा, जिससे स्थानिक लोगों को बेहतर जीवन मिलेगा।

परियोजना स्थल आधुनिक परिवहन सुविधाओं, जैसे कि एक्सप्रेस वे, रेल प्रणाली और हैलीपैड के साथ जोड़ा जाएगा।

वैज्ञानिक क्षेत्र आयोजन से स्वच्छ उद्योगों को परियोजना स्थल के आसपास विकसित किया जाएगा।

जैव प्रौद्योगिकी, स्वच्छ ऊर्जा और एथनिक क्राफ्ट जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान सुविधाओं जैसी पहलों से यहाँ लोगों को अच्छा रोजगार मिलेगा।

इस प्रदेश में आर्थिक गतिविधियों के समर्थन के लिए कृषि, पशुपालन, मत्स्यपालन आदि क्षेत्रों के लिए शैक्षणिक संस्थानों का विकास एवं शिक्षा और कौशल्य विकास के प्रयास किए जाएँगे।

माइस(मीटिंग्स, इन्सेन्टिव्स, कॉन्फरन्सीस और एग्जिबिशन्स) के समर्थन के लिए पर्यटन सुविधाओं का विकास, जिससे स्थानिक जनजातीय आबादी के लिए भारी रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे।